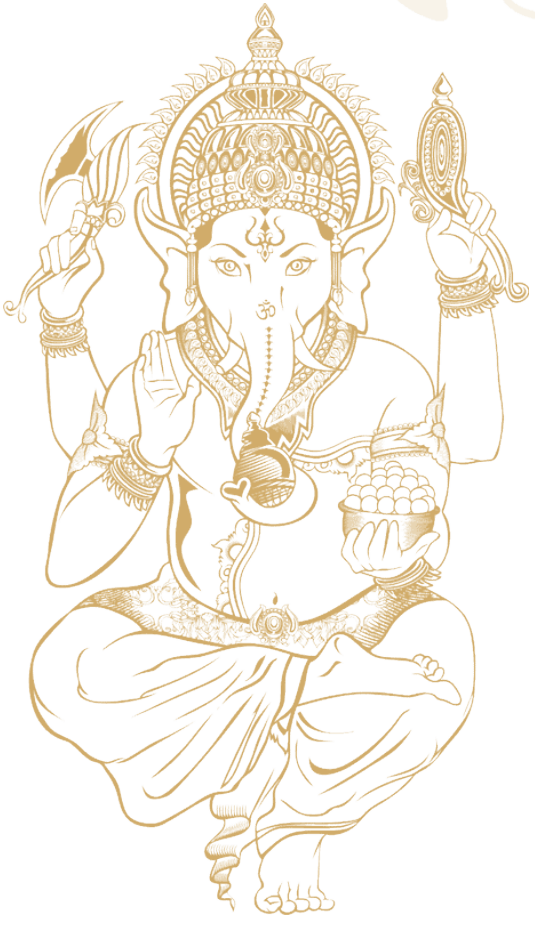

Hrudesh jaiswal

16 Aug 1993

06:15 PM

Jalna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121605712

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/08/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:15:00 घंटे**
इष्ट	30:21:01 घटी
स्थान	**Jalna**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:50:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:17 घंटे
साम्पातिक काल	15:28:32 घंटे
सूर्योदय	06:06:35 घंटे
सूर्यास्त	18:53:50 घंटे
दिनमान	12:47:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	29:53:05 कर्क
लग्न के अंश	19:39:08 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	19:39:08	406:57:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
सूर्य			कर्क	29:53:05	00:57:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	12:15:30	14:31:06	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल			कन्या	09:03:22	00:38:00	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कर्क	16:56:49	01:52:33	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	18:30:55	00:10:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	23:06:53	01:10:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		कुंभ	03:26:31	00:04:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	15:29:42	00:08:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	15:29:42	00:08:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		धनु	25:08:35	00:01:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	25:06:29	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			तुला	29:00:04	00:00:28	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			वृश्चि	00:43:57	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:22

लग्न-चलित

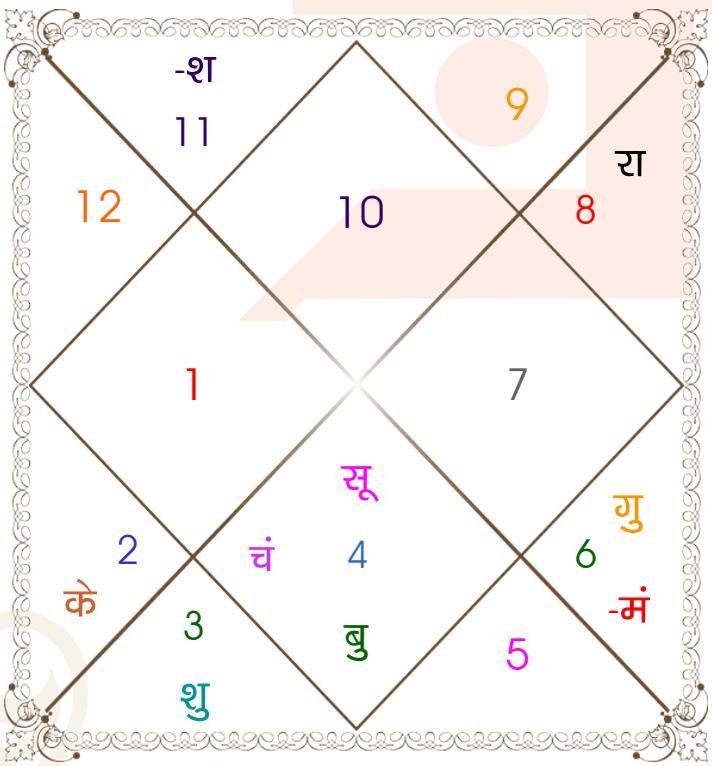

चन्द्र कुंडली

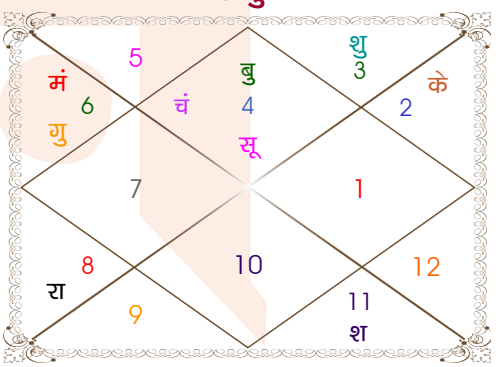

नवमांश कुंडली

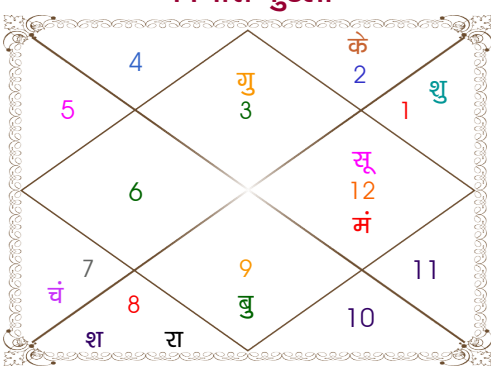

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 3 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/08/1993		28/11/1999		27/11/2016		28/11/2023		28/11/2043	
28/11/1999		27/11/2016		28/11/2023		28/11/2043		27/11/2049	
	00/00/0000	बुध	25/04/2002	केतु	25/04/2017	शुक्र	29/03/2027	सूर्य	16/03/2044
	00/00/0000	केतु	23/04/2003	शुक्र	25/06/2018	सूर्य	29/03/2028	चंद्र	15/09/2044
	00/00/0000	शुक्र	21/02/2006	सूर्य	31/10/2018	चंद्र	27/11/2029	मंगल	21/01/2045
	00/00/0000	सूर्य	28/12/2006	चंद्र	01/06/2019	मंगल	27/01/2031	राहु	16/12/2045
	00/00/0000	चंद्र	28/05/2008	मंगल	28/10/2019	राहु	27/01/2034	गुरु	04/10/2046
	16/08/1993	मंगल	26/05/2009	राहु	15/11/2020	गुरु	27/09/2036	शनि	16/09/2047
मंगल	11/07/1994	राहु	13/12/2011	गुरु	22/10/2021	शनि	28/11/2039	बुध	22/07/2048
राहु	16/05/1997	गुरु	20/03/2014	शनि	01/12/2022	बुध	28/09/2042	केतु	27/11/2048
गुरु	28/11/1999	शनि	27/11/2016	बुध	28/11/2023	केतु	28/11/2043	शुक्र	27/11/2049

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
27/11/2049		28/11/2059		28/11/2066		27/11/2084		28/11/2100	
28/11/2059		28/11/2066		27/11/2084		28/11/2100		00/00/0000	
चंद्र	28/09/2050	मंगल	25/04/2060	राहु	10/08/2069	गुरु	15/01/2087	शनि	02/12/2103
मंगल	29/04/2051	राहु	13/05/2061	गुरु	03/01/2072	शनि	29/07/2089	बुध	11/08/2106
राहु	28/10/2052	गुरु	19/04/2062	शनि	09/11/2074	बुध	03/11/2091	केतु	20/09/2107
गुरु	27/02/2054	शनि	29/05/2063	बुध	29/05/2077	केतु	09/10/2092	शुक्र	19/11/2110
शनि	28/09/2055	बुध	25/05/2064	केतु	16/06/2078	शुक्र	10/06/2095	सूर्य	01/11/2111
बुध	26/02/2057	केतु	22/10/2064	शुक्र	16/06/2081	सूर्य	29/03/2096	चंद्र	02/06/2113
केतु	27/09/2057	शुक्र	22/12/2065	सूर्य	11/05/2082	चंद्र	29/07/2097	मंगल	17/08/2113
शुक्र	29/05/2059	सूर्य	28/04/2066	चंद्र	10/11/2083	मंगल	04/07/2098		00/00/0000
सूर्य	28/11/2059	चंद्र	28/11/2066	मंगल	27/11/2084	राहु	28/11/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।